SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI SUBHASH CHANDRA SINGH (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

Demand to develop Pachnada confluence of five rivers in Auraiya and Etawah districts in Uttar Pradesh as a tourist spot

श्रीमती गीता उर्फ चंद्रप्रभा (उत्तर प्रदेश) : माननीय सभापति महोदय, मैं आपका और इस सदन का ध्यान ऐसे स्थान की ओर आकर्षित करना चाहती हूं, जो विश्व में एकमात्र स्थान है। यह स्थान उत्तर प्रदेश के इटावा, औरैया जनपद में प्रकृति द्वारा एक उपहार है, जिसमें पाँच नदियों का संगम है, जिसे "पचनदा" के नाम से जाना जाता है। यह यमुना, कुवारी, सिंधु, पहुज व चम्बल नदियों का संगम है, इसे ज्ञान का स्थान भी कहा जाता है। *

श्री सभापति : आपने मुझे जो टेक्स्ट दिया है, वही टेक्स्ट पढ़ना है।

श्रीमती गीता उर्फ चंद्रप्रभा :*

श्री सभापति : गीता जी, आपने मुझे जो टेक्स्ट दिया है, वही टेक्स्ट पढ़ना है।

श्रीमती गीता उर्फ चंद्रप्रभा : सर, वही है। मान्यवर, पांच नदियों के इस संगम स्थल पर पर्यटन व अन्य परियोजनाओं की बहुत सी संभावनाएं हैं। कुछ समय पूर्व, उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी ने पचनदा को बांध परियोजना के रूप में विकसित करने का ऐलान किया व इस परियोजना के तहत 100 करोड़ रुपये की धनराशि का बजट में प्रावधान भी किया है। प्रत्येक वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व राजस्थान के आस्था से जुड़े हजारों, लाखों श्रद्धालु संगम स्थल पर एकत्रित होते हैं और ईश्वर की साधना करते हैं।

महोदय केंद्र सरकार द्वारा देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बहुत सी योजनाएं चलाई जा रही हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध करती हूं कि इन योजनाओं से

* Not recorded.

पचनदा को जोड़ा जाए, जिससे संगम स्थल को पर्यटन केंद्र के रूप में और तेजी से विकसित किया जा सके। साथ ही बुंदेलखंड, औरैया, इटावा, कानपुर देहात व जालौन जिलों के लोगों को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होने के साथ इस क्षेत्र का समग्र विकास हो सके, बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री हरनाथ सिंह यादव (उत्तर प्रदेश) : माननीय सभापति महोदय, मैं माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूं।

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI SUBHASH CHANDRA SINGH (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

श्री सभापति : आप लोग मेरे पास जो स्पेशल मेंशन लिखकर भेजते हैं, जिसे हमारा कार्यालय अप्रूव करता है, उसी को सदन में पढ़ना है, उससे हटकर पढ़ना allowed नहीं है। यह सुझाव केवल गीता जी के लिए ही नहीं, बल्कि सबके लिए है। आपने जो लिखकर भेजा है, उसी को सदन में अनुमति मिलने के बाद यहां पढ़ना है। नहीं, तो सभा पटल पर रखना है। प्लीज़, रामदास जी, अभी स्पेशल मेंशन्स के विषय चल रहे हैं। मैं यह कह रहा हूं कि आप मुझे लिखकर भेजते, I would have definitely considered it.

Demand to open examination centres for UPSC/other examinations in Imphal, Manipur

SHRI MAHARAJA SANAJAOBA LEISHEMBA (Manipur): Sir, every year many aspirant students of Manipur appear in UPSC Prelims Examination in Manipur. But at the time of Mains Examination, the examination centre has been shifted from Imphal to Aizawl, Shillong and Guwahati for reasons not known. This makes the poor and the middle-class aspirant candidates very disappointed as they cannot afford expenses of travelling, lodging and food, etc. In the last five years, Mizoram and Nagaland could not produce any qualified candidate, but Manipur is producing qualified candidates every year. In 2020, as many as 30 candidates of Manipur qualified in the Prelims Examination, whereas only one candidate each from Mizoram and Meghalaya could qualify there. As of now, no examination centre of UPSC/similar